मध्य प्रदेश: भारत की खनन राजधानी के रूप में उभर रहा है

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश अपनी विशाल खनिज संपदा और बुनियादी ढाँचे का लाभ उठाते हुए **भारतीय खनन क्षेत्र** में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति बना रहा है ।

मुख्य बिंदु

- **खनिज संपदा:**
  - मध्य प्रदेश **हीरा उत्पादक** एकमात्र राज्य है तथा मैंगनीज़, ताँबा, चूना पत्थर और कोयले के उत्पादन में अग्रणी है।
  - **पन्ना हीरा खदान** से प्रतिवर्ष 1 लाख कैरेट हीरा उत्पादन होता है, जबकि बंदर ब्लॉक में 32.2 मिलियन कैरेट हीरा है।
  - खनिज ब्लॉक नीलामी में मध्य प्रदेश देश में अग्रणी रहा, जहाँ **वर्ष 2022-23 में 78 ब्लॉकों की नीलामी की गई और खनिज नीलामी के लिये शीर्ष पुरस्कार प्राप्त किये गए।**
  - राज्य में 5.1 लाख किमी. सड़कें, **7 हवाई अड्डे और 6 अंतर्देशीय डिपो हैं।**
  - जिला खनिज निधि ने **स्थानीय विकास के लिये 7,500 से अधिक परियोजनाएँ पूरी की हैं।**
- **निवेश के अवसर:**
  - खनन प्रौद्योगिकी (AI/ML) और ऊर्जा पर चर्चा के लिये **17-18 अक्तूबर , 2024 को दो** दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा ।
  - मध्य प्रदेश **कोलबेड मीथेन (CBM) और राष्ट्रीय गैस** ग्रिड कनेक्शन पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत में हीरा उद्योग

- भारत दुनिया में हीरों की कटाई और पॉलिशिंग का सबसे बड़ा केंद्र है तथा वैश्विक स्तर पर पॉलिश किये गए हीरों के निर्माण में 90% से अधिक का योगदान यहीं पर है।
- भारतीय खनिज वर्ष पुस्तिका 2019 के अनुसार, भारत के हीरा क्षेत्रों को चार क्षेत्रों में बाँटा गया है:
  - मध्य प्रदेश का मध्य भारतीय भूभाग, जिसमें पन्ना बेल्ट शामिल है।
  - आंध्र प्रदेश का दक्षिण भारतीय क्षेत्र, जिसमें अनंतपुर, कडपा, गुंटूर, कृष्णा, महबूबनगर और कुरनूल ज़िले के कुछ हिस्से शामिल हैं।
  - छत्तीसगढ़ के रायपुर ज़िले में बेहरादीन-कोडावली क्षेत्र और बस्तर ज़िले में तोकापाल, दुगापाल आदि क्षेत्र।
  - पूर्वी भारतीय भूभाग, जो अधिकतर ओडिशा का है, **महानदी** और **गोदावरी घाटियों** के बीच स्थित है।
- वर्ष 2022 में, भारत कटे और पॉलिश किये गए हीरों के शीर्ष निर्यातकों में पहले स्थान पर है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-emerging-as-india-s-mining-capital